

MS. BHAWANA SOMAAYA

Ms. Bhawana Somaaya has been writing on Hindi cinema for over 35 years, is a film critic, columnist and author of 12 books which includes biographies of Amitabh Bachchan and Hema Malini. Her books are a point of reference for students studying cinema at Whistling Woods, Manipal University and now Jawaharlal Nehru University.

2. Born on September 07, 1954, Ms. Bhawana has served on Advisory Panel of CBFC for two terms with three chairpersons (Shakti Samanta, Asha Parekh, Sharmila Tagore), is part of Shyam Benegal committee to revisit CBFC guidelines. She is on the Governing Council for FTII Pune. She is the Chair Person of TIFF (Tigerland India Film Festival) Madhya Pradesh and Trustee of DhaiAkshar an NGO dedicated to street children.

3. Ms. Bhawana started her career with Cinema Journal/ Free Press Journal in 1978. She became Joint Editor, Movie Magazine/ in 1985, launched 'g' magazine published by Chitralekha Group and headed Screen, Editor-in Chief from 2000-2007 and has contributed columns over the years to various publications: BBC, The Hindustan Times, The Hindu, The Sunday Observer, The Pioneer, Janmabhoomi, The News Time, The Hans India, The Indian Express North America and The Quint.

4. Ms. Bhawana became author in 1999 and since then she has penned 13 books, her latest is a chronicle on 100 years of Indian cinema published by Penguin India. She has translated Krishna the God who lived as Man from Gujarati to English and her forthcoming book Shaping of the Seed is on the subject of Garbhsanskar. She pioneered India's first visual film magazine— 'g' also the first to go on internet in India. She is the only author to document a Lexicon dedicated to the body of work of megastar Amitabh Bachchan published by Pustak Mahal.

5. Ms. Bhawana in her long career, has analyzed the changing trends of Indian cinema, documented the rise and fall of movie superstars and witnessed the evolution of journalism - from print to electronic to digital and broadcast media and is privileged to be visible on all the mediums — Radio/ Print/ TV and Web.

6. Ms. Bhawana is a frequent invitee to motivate students at schools and colleges, a regular panelist at film and literature festivals and conferences hosted by FICCI and the CII. She has served as a visiting faculty for journalism atKC and MET Colleges, represented film delegation to different countries and been on jury for Chicago International Film Festival.She has scripted and anchored show for Zee Cinema, been a creative consultant with Balaji Telefilms and is currently the Entertainment Editor at 92.7 Big FM radio channel hosting weekly shows for the channel.

7. Ms. Bhawana is appreciated by readers/listeners and respected by film fraternity for consistent quality work over the decades. When Publisher Chitralekha was looking to launch their first English publication, she was the first choice. When Hindu wanted a columnist to write on cinema, she was shortlisted. When Screen was hunting a new editor,the industry voted for her. When 92.7 Big FM wanted an authority on Bollywood to reviews films, she was signed for impact.

8. Ms. Bhawana, BA in Psychology, LLB and Diploma in Journalism has also designed costumes for Shabana Azmi in several. She has reinvented herself at every stage and is identified with inspiring editorials for whichever publication she headed. Her relationship with the film fraternity is based on mutual respect and trust.She speaks/writes passionately on and about cinema and is as comfortable in



सुश्री भावना सोमाया

सुश्री भावना सोमाया 35 वर्षों से अधिक समय से हिन्दी सिनेमा के बारे में लिख रहीं हैं, आप एक फिल्म समीक्षक, स्तंभ-लेखक और 12 पुस्तकों की लेखिका हैं, जिनमें अमिताभ बच्चन और हेमा मालिनी की जीवनियां शामिल हैं। आपकी पुस्तकें व्हिस्लिंग वुड्स, मणिपाल विश्वविद्यालय और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में सिनेमा अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों के लिए संदर्भ पुस्तकों के रूप में उपयोग में लायी जाती हैं।

2. आपका जन्म 07 सितम्बर, 1954 को हुआ था। आपने तीन अध्यक्षों (शक्ति सामंत, आशा पारेख, शर्मिला टैगोर) के साथ दो कार्यकाल तक सीबीएफसी के सलाहाकार पैनल में अपनी सेवाएं प्रदान की हैं, आप सीबीएफसी दिशानिर्देशों की पुन: जांच करने संबंधी श्याम बेनेगल समिति का एक हिस्सा रही हैं। आप एफटीआईआई पुणे की शासी परिषद में भी हैं। आप टीआईएफएफ (टाइगरलैंड इंडिया फिल्म समारोह) मध्य प्रदेश की अध्यक्ष हैं और लावारिस बच्चों को समर्पित एक गैर-सरकारी संगठन "ढाई अक्षर" की ट्रस्टी हैं।

3. आपने 1978 में सिनेमा पत्रिका/फ्री प्रेस पत्रिका से अपना करिअर आरंभ किया और 1985 में मूवी पत्रिका की संयुक्त संपादक बनीं, आपने चित्रलेखा ग्रुप द्वारा प्रकाशित 'जी' पत्रिका शुरू की और 2000 से 2007 तक स्क्रीन, प्रधान संपादक की अगुआई की तथा पिछले कई वर्षों से आपने विभिन्न प्रकाशनों में अपने स्तंभ लेख भी प्रकाशित करवाए हैं जिनमें बीबीसी, द हिन्दुस्तान टाइम्स, द हिन्दू, द संडे आबजर्वर, द पायनियर, जन्मभूमि, द न्यूज टाइम, द हंस इंडिया, द इंडियन एक्सप्रेस नॉर्थ अमेरिका एण्ड द क्विंट आदि मुख्य रूप से शामिल हैं।

4. आप 1999 में लेखिका बनीं और तब से आज तक 13 पुस्तकें लिख चुकी हैं आपकी हाल ही में लिखी पुस्तक 'भारतीय सिनेमा के 100 वर्षों का इतिहास' है जो पेन्गुइन इंडिया द्वारा प्रकाशित की गई है। आपने 'कृष्णा द गॉड हू लिव्ड ऐज मैन' का गुजराती से अंग्रेजी में अनुवाद किया है और आपकी आगामी पुस्तक 'शेपिंग ऑफ द सीड' गर्भसंस्कार के बारे में है। आपने भारत की प्रथम दृश्य फिल्म पत्रिका 'जी' को भारत में सर्वप्रथम इंटरनेट पर ले जाने का मार्ग प्रशस्त किया। आप मेगास्टार अमिताभ बच्चन के कार्यों को समर्पित ग्रंथ को लेखबद्ध करने वाली एकमात्र लेखिका हैं, जिसे पुस्तक महल द्वारा प्रकाशित किया गया है।

5. आपने अपने लंबे करिअर में भारतीय सिनेमा के बदलते दौर का विश्लेषण किया है, आपने फिल्मों के सर्वश्रेष्ठ सितारों के उभरने और गिरने को लेखबद्ध किया है और आप प्रिंट मीडिया से लेकर इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल और प्रसारण मीडिया तक के पत्रकारिता के क्रमिक विकास की साक्षी रही हैं और रेडियो/प्रिंट/टीवी और लैब आदि सभी माध्यमों पर सशक्त रूप से दिखाई देती रही हैं।

6. आपको विद्यालयों और महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए बार-बार आमंत्रित किया जाता है और आप फिक्की और सीआईआई द्वारा आयोजित किए जाने वाले फिल्म और साहित्य समारोहों और सम्मेलनों के नियमित पैनलिस्ट हैं। आपने के सी और एमईटी महाविद्यालयों में पत्रकारिता हेतु अतिथि शिक्षक के रूप में कार्य किया है, विभिन्न देशों हेतु फिल्म प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व किया है और आप शिकागो अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह के निर्णायक मंडल में भी रही हैं। आपने 'जी सिनेमा' हेतु कार्यक्रम लिखे हैं और उनकी एंक्रिंग की है, आप बालाजी टेलिफिल्म की रचनात्मक सलाहकार रही हैं और वर्तमान में 92.7 बिग एफ एम की मनोरंजन संपादक हैं और इस चैनल हेतु साप्ताहिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती हैं।

7. पाठकों/श्रोताओं द्वारा आपकी भूरि-भूरि प्रशंसा की जाती है और फिल्म जगत द्वारा दशकों से किए जा रहे आपके गुणवत्तापूर्ण कार्यों के लिए आपको सम्मान दिया जाता है। जब चित्रलेखा प्रकाशक अपने प्रथम अंग्रेजी प्रकाशन को आरंभ करना चाहते थे तब आप ही उनकी प्रथम पसंद थीं। जब 'द हिन्दू' द्वारा सिनेमा जगत के बारे में लिखने के लिए स्तंभकार की तलाश की जा रही थी तब इन्डस्ट्री ने आपका ही चयन किया। जब स्क्रीन जगत नए सपांदक की खोज कर रहा था तब फिल्म उद्योग ने आपको चुना। जब 92.7 बिग एफ एम द्वारा फिल्मों की समीक्षा के लिए बॉलीवुड के एक मर्मज्ञ की तलाश की जा रही थी, तब प्रभावकारिता के लिहाज से आपका ही चयन किया गया।

8. आप मनोविज्ञान में स्नातक हैं और आपने एल एल बी और पत्रकारिता में डिप्लोमा किया है, आपने शबाना आज़मी हेतु विभिन्न परिधानों का डिजाइन तैयार किया है। आपने हर स्टेज पर स्वयं को नया रूप दिया है और आपने जिस भी प्रकाशन की अगुवाई की उसमें आपने प्रेरणास्पद सम्पादकीय के साथ अपनी पहचान बनाई है। फिल्मी जगत के साथ आपके संबंध आपसी सम्मान और विश्वास पर आधारित हैं। आप सिनेमा पर और उसके बारे में बड़े ही भावपूर्ण तरीके से बोलती और लिखती हैं और उसी सहजता के साथ प्रिंट/टेलीविज़न/वेब/रेडियो हेतु अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में बराबर लिखती रहती हैं।